AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

पीएचडी दाखिला : 25 विषयों के परिणाम जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि ने शुक्रवार को सत्र 2022-23 के पीएचडी प्रवेश परीक्षा के 25 विषयों के परिणाम जारी कर दिए। उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित उम्मीदवारों का आवंटन भी कर दिया गया है।

अभ्यर्थी कटऑफ देखकर पूर्व में दी गई लॉगइन आईडी का प्रयोग कर तीन मई तक फीस जमा कर सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर की ओर से जारी परिणामों में एआईएच, एप्लायड इकोनॉमिक्स, अरेबिक एंड अरब कल्चर, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, डिफेंस स्टडीज, इकोनॉमिक्स, अंग्रेजी, फ्रेंच, जियोग्राफी, जियोलॉजी, लिंग्विस्टक, गणित, ओरियंटल संस्कृत, पार्शियन, फिलॅशिपी, फिजिकल एजुकेशन, फिजिक्स, संस्कृत, सोशलवर्क, स्टेटिक्स, उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री और जूलॉजी विषय शामिल हैं।

समाजवाद की अवधारणा को आगे बढ़ाएगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय समाजशास्त्र परिषद का मिड टर्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि गिरी संस्थान के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति में क्षेत्रीय समाजवाद की समस्त अवधारणाओं को शामिल किया गया है। यह छात्रों को विकसित समाज का निर्माण करने में सहयोग प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में समाजशास्त्र परिषद अध्यक्ष आभा चौहान ने कहा कि अंग्रेजी भाषा के विकल्पों पर भी बात करनी होगी। कार्यक्रम में के विभिन्न सत्रों में जी पटनायक, जेएनयू के प्रो. सुरिंदर एस जोधका, बीबीएयू के प्रो. मनीष के वर्मा सहित देश-विदेश के कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और आयोजक सचिव प्रो. डीआर साहू सहित विभाग के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मीडिया प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा ने बताया कि अगले दो विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञ समाजवाद की अवधारणाओं पर विचार व्यक्त करेंगे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में पीएचडी की फीस तीन मई तक जमा होगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी सत्र 2022-23 में चयनित अभ्यर्थियों को 3 मई तक अपनी फीस जमा करनी होगी। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। प्रो. माथुर ने बताया कि अब तक 25 विषयों की कम्प्लीट मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। अधिक जानकारी के लिए छात्र एलयू की वेबसाइट देख सकते हैं।

संविधान में लैंगिक समानता का अधिकार

लखनऊ। एलयू में अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बंशीधर सिंह ने कहा कि लैंगिक समानता का सिद्धांत भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों और नीति निर्देशक सिद्धांतों में प्रतिपादित है। वहीं मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में पांचवे दिन वक्ता सामाजिक विज्ञान स्कूल की सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका मिश्रा रही।

i-NEXT PAGE 6

सीट आवंटन हुआ जारी आज से जमा करें फीस

LUCKNOW (28 April): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 के पीएचडी रेगुलर विषयों में दाखिले के लिए उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों की कटआफ एवं सीट आवंटन जारी कर दिया.

3 मई तक फीस जमा करें

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी कटआफ देखकर पूर्व में दी गई लागइन आइडी का प्रयोग करके 28 अप्रैल को दोपहर तीन बजे के बाद फीस जमा कर सकते हैं. उनके पास तीन मई तक फीस जमा करने का मौका रहेगा. गौरतलब है कि इस बार कई विषय ऐसे हैं जिनमें निर्धारित सीटों के सापेक्ष पात्र अभ्यर्थियों की संख्या कम है.

इन विषय की जमा होगी फीस

एंशियंट इंडियन हिस्ट्री एंड आर्कियोलाजी, एप्लाइड इकोनामिक्स, अरेबिक एंड अरब कल्चर, बाटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, डिफेंस स्टडीज, इकोनामिक्स, इंग्लिश, फ्रेंच, जाग्रफी, जियोलाजी, लिंग्विस्टिक्स, मैथ्स, ओरियंटल संस्कृत, पर्शियन, फिलासफी, फिजिकल एजुकेशन, फिजिक्स, संस्कृत, सोशल वर्क आदि.

DAINIK JAGRAN PAGE III

पीएचडी : सीट आवंटन जारी आज से जमा करें फीस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 के पीएचडी रेगुलर विषयों में दाखिले के लिए उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों की कटआफ एवं सीट आवंटन जारी कर दिया। 25 विषयों के अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर के माध्यम से इसे देख सकते हैं।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी कटआफ देखकर पूर्व में दी गई लागइन आइडी का प्रयोग करके 28 अप्रैल को दोपहर तीन बजे के बाद फीस जमा कर सकते हैं। उनके पास तीन मई तक फीस जमा करने का मौका रहेगा। इस बार कई विषय ऐसे हैं जिनमें निर्धारित सीटों के सापेक्ष पात्र अभ्यर्थियों की संख्या कम है।

इन विषयों में जमा होगी फीस

: एंशियंट इंडियन हिस्ट्री एंड आर्कियोलाजी, एप्लाइड इकोनामिक्स, अरेबिक एंड अरब कल्चर, बाटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, डिफेंस स्टडीज, इकोनामिक्स, इंग्लिश, फ्रेंच, जाग्रफी, जियोलाजी, लिंग्विस्टिक्स, मैथ्स, ओरियंटल संस्कृत, पर्शियन, फिलासफी, फिजिकल एजुकेशन, फिजिक्स, संस्कृत, सोशल वर्क, स्टैटिस्टिक्स, उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री, जूलाजी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

शोध पद्धति की बताईं बारीकियां

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) में यूजीसी नेट के उम्मीदवारों के लिए वंडर्स : होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी पर चल रही सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला जारी रही। शुक्रवार को बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान लविवि के मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना शुक्ला मौजूद रहीं।शुक्रवार को पांचवें दिन के प्रथम सत्र को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मनोविज्ञान सामाजिक विज्ञान स्कूल की सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका मिश्रा ने कहा कि उम्मीदवारों को रिसर्च मेथड पर गहन जानकारी दी। जिसमें उन्होंने शोध क्या है, शोध का उद्देश्य, विभिन्न प्रकार के शोध और शोध पद्धति के बारे में सिखाया। वहीं दूसरे सत्र में पैरामीट्रिक और नॉन-पैरामीट्रिक टेस्ट पर सत्र लिया जिसमें उन्होंने वर्णनात्मक और अनुमानित सांख्यिकी और माप की केंद्रीय प्रवृत्ति पर चर्चा की। इसके अलावा टी-टेस्ट, एनोवा, एफ-टेस्ट आदि जैसे कुछ परीक्षणों पर भी चर्चा की। सत्र के दौरान उम्मीदवारों द्वारा कुछ प्रश्न पूछे गए थे और उन्होंने उनमें से प्रत्येक को स्पष्ट किया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया।

लविवि: पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लविवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा सत्र 2022-23 का परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, अरबी और अरब संस्कृति,वनस्पति विज्ञान, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, रसायन शास्त्र, रक्षा अध्ययन, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, फ्रेंच, भूगोल, भूविज्ञान, भाषाविज्ञान, अंक शास्त्र, ओरिएंटल संस्कृत व फारसी के अलावा दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, भौतिकी, संस्कृत, सामाजिक कार्य और सांख्यिकी, उर्दू, पश्चिमी इतिहास, जीव विज्ञान विषय के पीएचडी परिणाम घोषित कर दिया गया है।

प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी कटआफ देख ले और पूर्व में दी गई लॉगिन आईडी का प्रयोग करके फीस जमा कर दें। फीस जमा करने की अंतिम तिथि तीन मई है।

'लवि की बौद्धिक परंपरा हमारी विरासत'

जासं, लखनऊ : पूर्व कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय जी पटनायक (रिटायर्ड आइएएस) ने कहा है कि यह गर्व का विषय है कि समाजशास्त्र विभाग का शताब्दी वर्ष हम सब मना रहे हैं, इन वर्षों की विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा हमारी विरासत है।

शुक्रवार को पटनायक ने ये विचार विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय समाजशास्त्र परिषद के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, क्षेत्रों का समाजशास्त्र व क्षेत्रों में समाजशास्त्र, विषय पर व्यक्त किए। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुरिंदर एस जोधका ने कहा कि 2011 की जनगणना में सामने आ चुका है कि भारतीय समाज में अंग्रेजी की स्वीकार्यता नहीं है। विविध समाज अपनी बोली, भाषा पर गर्व करते हैं। कुलपति आलोक कुमार राय ने कहा कि विभिन्न भारतीय समाजों में लोगों की अस्वीकार्यता है। जैसे पूरब से जाने वाले को मुंबई में स्वीकार्य करने में परेशानी हुई। सामाजिक स्वीकार्यता में विषमता पर विशद अध्ययन होने की जरूरत है। सम्मेलन में यह भी कहा गया कि राजनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश एक राज्य है लेकिन, यहां पूरब, पश्चिम, बुंदेलखंड, अवध की संस्कृति अलग है। यही क्षेत्रों का समाजशास्त्र है। लखनऊ विश्वविद्यालय का समाजशास्त्र विभाग स्थापित करने वाले राधा कमल मुखर्जी व राष्ट्रीय शिक्षा नीति दोनों क्षेत्रों के समाजशास्त्र पर एकमत हैं।

सम्मेलन में देश और विदेश से लगभग 900 से ज्यादा प्रतिभागियों और प्रोफेसर प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन दीप प्रज्वलन व कुलगीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि गिरी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार, समाजशास्त्र परिषद की अध्यक्षा प्रोफेसर आभा चौहान, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ हिमाचल प्रदेश धर्मशाला और सचिव प्रोफेसर मनीष के वर्मा, बीबीएयू लखनऊ ने संबोधित किया। स्वागत व्याख्यान आयोजन सचिव प्रोफेसर डीआर साहू द्वारा दिया गया, अंत में धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन संयोजक प्रोफेसर सुकांत चौधरी के ने किया।

PIONEER PAGE 3

अंग्रेजी भाषा के ज्ञान ने भारतीयों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने में की मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा शुक्रवार को भारतीय समाजशास्त्र परिषद का मिड टर्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: क्षेत्रों का समाजशास्त्र एवं क्षेत्रों में समाजशास्त्र विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें देश और विदेश से लगभग 900 से ज्यादा प्रतिभागियों और प्रोफेसरों ने प्रतिभाग किया।

समारोह के मुख्य अतिथि गिरी संस्थान के डायरेक्टर प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने अपना व्याख्यान दिया। इसके पश्चात समारोह को समाजशास्त्र परिषद की अध्यक्षा प्रोफेसर आभा चौहान सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हिमाचल प्रदेश धर्मशाला और सचिव प्रोफेसर मनीष के वर्मा बीबीएयू लखनऊ द्वारा संबोधित किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि जी पटनायक थे तथा की.नोट ऐड्रेस जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुरिंदर एस जोधका द्वारा दिया गया। प्रोफेसर जोधका ने बताया कि अंग्रेजी भाषा जो कि एक पहेली कि तरह है जो एक ओर तो वर्तमान समय में उच्च शिक्षा की मानक भाषा बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी भाषा अभिजात वर्ग द्वारा प्रतिस्पर्धा सीमित करके वंचित वर्गों को उसके विशेषाधिकारों के दायरे से बाहर कर देती है। अत: यह एक कुलीन रणनीति है। उन्होंने ये भी बताया कि अंग्रेजी भाषा के व्यापक ज्ञान ने भारतीयों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने में मदद की है।

THE PIONEER PAGE 3

LU alumni guiding UGC-NET aspirants

Lucknow (PNS): The department of psychology, University of Lucknow, is organising a 7-day online workshop on 'Wonders: Holding hands by alumni' for UGC-NET aspirants from April 24 to 30 under the supervision of head of the department with the objectives of giving students proper guidance, providing a platform to clarify their doubts and ensuring that they benefit from the experiences of the alumni who have cleared the exam.

The UGC-NET, which is conducted by National Testing Agency, determines the eligibility of candidates as assistant professors and junior research fellows.

An assistant professor of psychology at the School of Social Sciences, Indira Gandhi National Open University, New Delhi, gave an in-depth understanding on research method to the aspirants in which she taught about what is research, purpose of the research, different types of research, and research methodology.

"Any research needs to have a well-defined problem statement which can be answered," she said.

She also emphasised on various steps and ethics that must be followed while doing research. She listed out qualitative and quantitative research.

The speaker of the second session of the day was Monika Misra, who too is an assistant professor at the School of Social Sciences, Indira Gandhi National Open University, New Delhi. She presided over a session on 'Parametric and non-parametric tests'. She discussed descriptive and inferential statistics and central tendency of the measure. She also talked about the various assumptions of parametric as well as non-parametric tests.

LOKSATYA PAGE 3

एलयू में ऑनलाइन कार्यशाला

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग ने मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना शुक्ला की देखरेख में 24 से 30 अप्रैल तक यूजीसी नेट के उम्मीदवारों के लिए 'वंडर्सः होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी' पर सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला हुई। एलयू के प्रयास हैं कि उन्हें उचित मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से, शंकाओं को दूर करने, मंच प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले पूर्व छात्रों के अनुभवों से लाभान्वित हों। यूजीसी नेट परीक्षा, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की ओर से होती है। भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के साथ-साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर के लिए भारतीय नागरिकों की योग्यता निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है।